# O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

27/9/18

**Half Yearly Examination (2018 – 2019)**

**Class: XI** **MM: 80**

**Subject: Hindi** **Time: 3;00Hrs.**

**Name:** _____ **Class / Section:** _____ **RollNo.:**_____

**(Fifteen Minutes Extra will be given for reading the Question Paper.)**

**सामान्य निर्देश :–**

1–इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं–**'क'** ,**'ख'** ,और **'ग'**।

2–तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3–प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।

4–उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्न–पत्र में दी गई है।

5–निर्धारित समय सीमा 3:15 घण्टे हैं।

## खण्ड–'क'

**प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

जब हम परेशान होते हैं या अपनी किसी गलती के लिए किसी अन्य को जिम्मेदार ठहराने पर उतारू होते हैं, तब काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे शब्दों को कोसने लगते हैं। हमें लगता है कि सारी झंझटें इन्हीं के कारण है। इन्हें बुरा कहा जाता है और इनके परिणामों पर खूब प्रवचन होते हैं, लेकिन आधा सच वस्तुतः पूरे झूठ से भी अधिक खतरनाक है। गुरुनानक देव ने एक जगह कहा है–' अंधा–अंधा ठेलिया' अर्थात अंधे लोग अंधों को ही धक्का दे रहे हैं। ये हमारी मनोवृत्तियाँ है और इन्हें ठीक से नहीं समझ पाने के कारण ही हम अंधों की तरह व्यवहार करने लगते हैं। अपने काम,–क्रोध को दूसरे के काम–क्रोध से जोड़ लेते हैं। यही अंधा–अंधा ठेलिया' वाला व्यवहार होता है। इन मनोवृत्तियों से काम लिए बिना जिंदगी चल भी नहीं सकती। परमात्मा ने जन्म से हमें इन्हें दे रखा है। इसका मतलब है कि इनका कोई–न–कोई उपयोग जरूर होगा। इसलिए दिमाग ठीक जगह लगाया जाए। क्रोध में जो उत्तेजना होती है, यदि उसे समझ लिया जाए , तो उसे उत्साह में बदलना आसान हो जाएगा। उत्साह एक शक्ति है। यह एक तरह की सामर्थ्य है।

खाली क्रोध कमज़ोरी और नियंत्रित क्रोध ताकत बन जाता है। लोभ मनुष्य को उन्नति, प्रगति और विकास की ओर ले जाता है। लोभ क्रियाशील भी बनाता है। मोह न हो, तो लोभ एक दूसरे के प्रति घातक हो जाए। निर्मोही भाव यदि ठीक से न समझा जाए, तो निर्ममता में बदल जाता है। इसलिए इन मनोवृत्तियों को समझना बहुत ज़रूरी है। इनका सदुपयोग इनकी सामर्थ्य से हमें जोड़ता है।

**क)** मनुष्य अपनी किस अवस्था में किन शब्दों को कोसने लगता है ? **(2)**

**ख)** मनुष्य अंधों की तरह व्यवहार किन स्थितियों में करता है ? **(2)**

**ग)** क्रोध को सकारात्मक स्वरूप देने पर वह किस रूप में परिवर्तित हो जाता है ? **(1)**

**घ)** ''मोह न हो, तो लोभ एक दूसरे के प्रति घातक हो जाए'' – इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। **(2)**

**ङ)** '' क्रियाशील' और 'उत्साह' शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। **(1)**

**च)** कारण स्पष्ट करते हुए प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **(2)**

**प्र02 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–(1X6=6)**

यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम–से–कम मत बोओ
है अगम चेतना की घाटी, कमज़ोर पड़ा मानव का मन
ममता का शीतल छाया में होता कटुता का स्वयं शमन
जवालाएँ जब घुल जाती है, खुल–खुल जाते हैं मुँदे नयन
होकर निर्मलता में प्रशांत, बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन
संकट में यदि मुस्का न सको, भय से कातर हो मत रोओ
यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम–से–कम मत बोओ

**क)** फूल और काँटे बोने का प्रतीकार्थ क्या है ?

**ख)** मन किन परिस्थितियों में अशांत होता है और कैसी स्थितियाँ उसे शांत कर देती है ?

**ग)** संकट आ पड़ने पर मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए और क्यों ?

**घ)** 'ममता का शीतल छाया में होता कटुता का स्वयं शमन' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

**ङ)** प्रस्तुत काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ?

**च)** इस कविता का मूल भाव क्या है ?

**खण्ड–'ख'**

**प्र03 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए –** **(8)**

**क)** बाल मजदूरी : एक सामाजिक कलंक।

**ख)** सोशल नेटवर्किंग : सार्थक दृष्टिकोण

**ग)** मेरे जीवन का लक्ष्य

**घ)** दहेज प्रथा : प्रबुद्ध समाज पर कलंक।

**प्र04** खाद्य पदार्थों में मिलावट की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **(5)**

**अथवा**

दैनिक भास्कर समाचार पत्र में संवाददाता के पद के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

**प्र05 निम्नलिखित के संक्षेप में उत्तर दीजिए –** **(1X4=4)**

**क)** टेलीविजन लोकप्रिय माध्यम क्यों है ?

**ख)** समाचार के छह ककार कौन–कौन से है ?

**ग)** भारत का पहला समाचार वाचक किसे माना जाता है ?

**घ)** ब्रेकिंग न्यूज क्या है ?

**प्र06** 'आजकल के बच्चों में स्मार्टफोन की लत' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिए। **(3)**

**अथवा**

'फास्ट फुड के दुष्प्रभाव' पर एक फीचर तैयार कीजिए।

**खण्ड–'ग'**

**प्र07 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–(2X3=6)**

लहराते वे खेत दृगों में
हुआ बेदखल वह अब जिनसे,

हँसती थी उसके जीवन की
हरियाली जिनके तृन–तृन से !
आँखों ही में घूमा करता
वह उसकी आँखों का तारा,
कारकूनों की लाठी से जो
गया जवानी ही में मारा!

**क)** किसानों को कहाँ से बेदखल कर दिया गया था और क्यों ?

**ख)** काव्यांश के आधार पर किसान के जीवन में खेतों का क्या स्थान था ?

**ग)** कारकूनों ने किसका बध किया और क्यों ?

**अथवा**

चंपा काले अक्षर को नहीं चीन्हती
मैं जब पढ़ने लगता हूँ वह आ जाती है
खड़ी – खड़ी चुपचाप सुना करती है
उसे बड़ा अचरज होता है
इन काले चीन्हों से कैसे ये सब स्वर
निकला करते है।

**क)** चंपा कौन है ? उसे किस चीज़ का ज्ञान नहीं है ?

**ख)** चंपा के माध्यम से कवि ने किस सामाजिक समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट किया है ?

**ग)** चंपा की हैरानी का क्या कारण है ?

**प्र0 8–निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखिए–** **(2X3=6)**

हम तो एक–एक करि जांनां
दोइ कहैं तिनहीं को दोजग जिन नाहिन पहिचांनां।।
एकै पवन एक ही पानी एकै जोति समांनां
एकै खाक गढ़े सब भाड़ै एकै कोंहरा सांनां।।
जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई।।
माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां।
निरभै भया कछू नहिं व्यापै कहै कबीर दिवानां।।

**क)** उपर्युक्त पंक्तियों के भाव–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

**ख)** उपर्युक्त पंक्तियों के शिल्प–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

**ग** प्रस्तुत काव्यांश की अलंकार योजना पर टिप्पणी कीजिए।

**प्र0 9–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **(2X2=4)**

**क)** मीरा ने 'सहज मिले अविनासी ' क्यों कहा है ?

**ख)** प्रेम प्राप्ति के लिए मीरा को किन–किन कठिनाईयों का सामना करना पड़ा होगा ?अपने विचार लिखिए।

27/9/18

ग) घर से अलग होकर आप घर को किस तरह से याद करते हो ? 'घर की याद' पाठ के आधार पर लिखिए।

**प्र0 10 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** **(1+2X3=7)**

यहाँ की प्रजा ने आपकी जिद का फल यहीं देख लिया। उसने देख लिया कि आपकी जिस जिद ने देश की प्रजा को पीड़ित किया, आपको भी उसने कम पीड़ा न दी, यहाँ तक कि आप स्वयं शिकार हुए। यहाँ की प्रजा वह प्रजा है, जो अपने दुख और कष्टों की अपेक्षा परिणाम का अधिक ध्यान रखती है। वह जानती है कि संसार में सब चीजो का अंत है। दुख का समय भी एक दिन निकल जावेगा, इसी से सब दुखों को झेलकर , पराधीनता सहकर भी वह जीती है। माइ लार्ड ! उस कृतज्ञता की भूमि की महिमा आपने कुछ न समझी और न यहाँ की दीन प्रजा की श्रद्धा–भक्ति अपने साथ ले जा सके, इसका बड़ा दुख है।

क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख) लार्ड कर्जन की जिद से भारतीय जनता ने क्या पीड़ा सही ?

ग) भारतीय प्रजा की क्या विशेषता है ?

घ) लेखक को किस बात का दुख है ?

**अथवा**

साहबों, उस दिन अपन मटियामहल की तरफ़ से न गुजर जाते तो राजनीति, साहित्य और कला के हज़ारों–हज़ार मसीहों के धूम–धड़ाके में नानबाइयों के मसीहा मियाँ नसीरुद्दीन को तो कैसे पहचानते और कैसे उठाते लुत्फ उनके मसीही अंदाज का। हुआ यह कि हम एक दुपहरी जामा मस्जिद के आड़े पड़े मटियामहल के गढ़ैया मुहल्ले की ओर निकल गए। एक निहायत मामूली अँधेरी सी दुकान पर पटापट आटे का ढेर सनते देख ठिठके। सोचा, सेवइयों की तैयारी होगी, पर पूछने पर मालूम हुआ खानदानी नानबाई मियाँ नसीरुद्दीन की दुकान पर खड़े हैं। मियाँ मसहूर हैं छप्पन प्रकार की रोटियाँ बनाने के लिए।

क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख) 'हज़ारों–हज़ार मसीहों के धूम–धड़ाके' से क्या तात्पर्य है ?

ग) मियाँ नसीरुद्दीन कौन थे और उनकी क्या विशेषता थी ?

घ) मियाँ नसीरुद्दीन के मसीही अंदाज से क्या आशय है ?

**प्र0 11–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **(3X3=9)**

क) गलती करने वाला तो है ही गुनहगार, पर उसे बर्दाश्त करने वाला भी कम गुनहगार नहीं होता– इस संवाद के संदर्भ में आप सबसे ज्यादा किसे और क्यों गुनहगार मानते हैं ?

ख) मोहन के लखनऊ आने के बाद के समय को लेखक ने उसके जीवन का एक नया अध्याय क्यों कहा है ? 'गलता लोहा' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

ग) शिवशंभू की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक बालमुकुंद गुप्त क्या कहना चाहते हैं ?

घ) कहानी के अंत में अलोपीदीन के वंशीधर को मैनेजर नियुक्त करनें के पीछे क्या कारण हो सकते हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए। आप इस कहानी का अंत किस प्रकार करते ?

**प्र0 12** शास्त्रीय एवं चित्रपट दोनों तरह के संगीतों के महत्व का आधार क्या होना चाहिए ? कुमार गंधर्व की इस संबंध में क्या राय है ? स्वयं आप क्या सोचते हैं ? **(4)**

अथवा

वैश्विक तापमान वृद्धि को रोकने के लिए हमें क्या–क्या करना चाहिए। 'राजस्थान की रजत बूँदे' पाठ के आधार पा उत्तर लिखिए।

**प्र0 13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर लिखिए –** **(4X2=8)**

**क)** राजस्थान की रजत बूँदे पाठ में किस समस्या की ओर संकेत किया गया है ? यह पाठ आपको क्या संदेश देता है ?

**ख)** 'भारतीय गायिकाओं में बेजोड़' लता 'मंगेशकर' पाठ के आधार पर लता के गायन की विशेषताएँ बताइए।

**ग)** 'जल ही जीवन है ' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

27/9/18